ALL STATE CONSTITUTION MAINS PREVIOUS YEAR QUESTIONS

Topic Name	No.of Questions	Page Number
Constitution, Constitutionalism & Historical Background	4	3
Nature of Indian Constitution	1	3
Preamble	3	3
Fundamental Rights	42	4-9
Directive Principles of State Policy	6	10
Fundamental Duties	2	11
Union Executive	4	11
Union Legislature	2	11
Supreme Court of India	6	11-12
State Executive	3	13
State Legislature	1	13
High Courts and Subordinate Courts	6	13-14
Relationship between Union and State	7	14
Amendment of the Constitution	7	15
Emergency Provision	7	16-17
Constitutional Bodies and Posts	3	17
Freedom of Trade, Commerce and Intercourse	3	17

CONSTITUTION OF INDIA
(Previous Years Questions of Mains Examinations)

Constitution, Constitutionalism & Historical Background

1. भारत सरकार अधिनियम, 1935 की मुख्य विशेषताओं पर संक्षिप्त नोट लिखें।
   Write shorts note on Salient features of the Government of India Act, 1935. [BJS 1980]
2. भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने भारत के वर्तमान संविधान में क्या योगदान दिया? प्रत्येक के प्रासंगिक प्रावधानों को इंगित करते हुए चर्चा करें।
   What extend did the Government of India Act, 1935, Contribute to the present Constitution of India? Discuss, pointing out relevant provisions of each. [BJS 1986]
3. भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
   Write shorts note on Indian Independence Act, 1947. [BJS 1980, 1991]
4. भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 की मुख्य विशेषताओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
   Write short note on Salient features of Indian Independence Act, 1947. [BJS 1987]

Nature of Indian Constitution

1. भारतीय संविधान के रूप में संघीय है, लेकिन मूल रूप से एकात्मक है "टिप्पणी"।
   The Indian Constitution is federal in form but unitary in substance". Comment. [UPJS 2003]

Preamble

1. भारत के संविधान की प्रस्तावना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
   Write short note on Preamble to the Constitution of India. [BJS 2000, BJS 2006, M.P. CJ 2012]
2. इसकी प्रस्तावना में भारत के संविधान की प्रमुख प्रतिबद्धताएँ क्या शामिल हैं?
   What are the major commitments of the Constitution of India as incorporated in its preamble? [M.P.CJ 2014]
3. भारतीय संविधान के धर्म निरपेक्ष चरित्र पर चर्चा करें।
   Discuss the secular character of the Indian Constitution. [BJS 2000]

Fundamental Rights

1. मौलिक अधिकारों से आप क्या समझते हैं? वे अन्य अधिकारों से कैसे भिन्न हैं? क्या वे संशोधन योग्य हैं? विषय पर सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण फैसलों का संदर्भ लें।
   What do you understand by Fundamental Rights? How do they differ from other rights? Are they amendable? Refer to important Supreme Court decisions on the subject [BJS 1991]

2. भारत के संविधान के अनुच्छेद 13 (1) के तहत व्यवहार्यता के सिद्धांत की संक्षिप्त चर्चा।
   Briefly discuss the applicability of Doctrine of Severability under Article 13(1) of the Constitution of India. [RJS 2015]

3. क्या संसद मौलिक अधिकारों से संबंधित भारत के संविधान के भाग III में संशोधन कर सकती है? चर्चा करें।
   Can Parliament amend Part III of the Constitution of India relating to Fundamental Rights? Discuss. [U.P. CJ 2016]

4. लिंग पर आधारित भेदभाव का वर्णन करें। भारत के संविधान के दायरे में "नागरिक" शब्द का अर्थ, दायरा और सीमा स्पष्ट करें।
   Describe prohibition of discrimination based on sex. Explain meaning, scope and extent of term "citizen" within the purview of Constitution of India. [M.P. CJ 2014, 2019]

5. संविधान के अनुच्छेद 13 के प्रयोज्यता और व्याख्या क्या हैं? सिद्धांतों को ठीक से प्रमुख मामलों के साथ चर्चा करें।
   What are the application and interpretation of Article 13 of the Constitution? Discuss the doctrines precisely with leading cases. [BJS 2018]

6. न्यायिक समीक्षा क्या है? न्यायिक समीक्षा की प्रकृति और कार्य क्षेत्र पर चर्चा करें। यह अपील से कैसे अलग है?
   What is Judicial Review? Discuss the nature and scope of Judicial Review. How is it different from appeal? [BJS 2018]

7. न्यायिक समीक्षा से आप क्या समझते हैं? पूर्व-संवैधानिक कानूनों और पश्चात्वर्ती संवैधानिक कानूनों पर अनुच्छेद 13 का क्या प्रभाव है? निर्धारित मामलों की मदद से अपना उत्तर बताएं।
   What do you understand by Judicial Review? What is the effect of Article 13 on Pre-Constitutional laws and Post-constitutional laws? Explain your answer with the help of decided cases. [U.P. CJ 2013]

www.linkinglaws.com

8. किसके खिलाफ मौलिक अधिकार उपलब्ध हैं? इस संदर्भ में, संविधान के भाग III में 'राज्य' शब्द के अर्थ का संदर्भ दीजिए।
Against whom Fundamental Rights are available? In this context, refer to the meaning of the term 'State' in Part III of the Constitution. [U.P. CJ 2018]

9. भारत के संविधान में "कानून के समक्ष समानता" और "कानूनों के समान संरक्षण" की शर्तों पर चर्चा करें। इसके अपवाद भी बताएं?
Discuss the terms "Equality before law" and "Equal Protection of laws" as provided in the Constitution of India. State the exceptions to it also?
[M.P. CJ 2016]

10. संविधान के अनुच्छेद 13 के खंड (1) और (2) के संदर्भ में पृथक्करण का नियम स्पष्ट करें।बॉम्बे प्रतिषेध अधिनियम, 1949 को इस आधार पर अधिकारातीत घोषित किया गया कि यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। क्या शेष अधिनियम अस्तित्व में बना रहेगा।
Explain the rule of severability with reference to clauses (1) and (2) of Article 13 of the Constitution.
Eight sections of Bombay Prohibition Act, 1949 declared ultra vires on the ground that they infringed the Fundamental Rights of citizens. Can the rest of the Act survive? [U.P. CJ 2012]

11. कानून से समक्ष समानता का अधिकार और भारतीय संविधान में कानून के समान संरक्षण, भेदभाव को रोकने के लिए व्याख्या की गई है, लेकिन वर्गीकरण को अनुमति दी गई है। इस कथन पर टिप्पणी करें और उस आधार को इंगित करें जिसके पर उक्त वर्गीकरण आधारित हैं। केस-लॉ के साथ अपना जवाब दें।
The right of Equality Before Law and the Equal Protection of Laws in the Indian Constitution has been interpreted as to prohibit discrimination but permit classification. Comment on this statement and point out the basis on which such classification may be founded. Substantiate your answer with case-law. [BJS 1980)

12. कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
Write short note on Equality before law and Equal protection of laws.
[BJS 1987, RJS 2014)

13. "मनमानापन भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 के प्रतिकूल" है। विस्तार कीजिए।
"Arbitrariness is antithesis to Article 14 of the Constitution of India", Elaborate. [RJS 2015)

14. "मनमानेपन और समानता एक दूसरे के कट्टर शत्रु हैं"। स्पष्ट कीजिए।
"Arbitrariness and equality are sworn enemies". Explain. [U.P. CJ 2003]

15. "कोई भी व्यक्ति अपने जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं होगा सिवाय कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार" अपने जीवन के मामलों के निर्णय की मदद से चर्चा करें।
"No Person shall be deprived of his life and personal liberty except according to procedure established by law" Discuss with the help of decided of his life cases. [M.P. CJ 2009, U.P. CJ 2018]

16. आपके अनुसार सरकारी सेवा में पदों के आरक्षण की आधार और सीमा क्या होनी चाहिए? प्रासंगिक निर्णयों के साथ अपने जवाब का समर्थन करें।
What according to you should be the basis and limit of reservation of posts in Government service? Support your answer with relevant case law.
[BJS 1991]

17. बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर चर्चा करें। क्या इसमें प्रेस की स्वतंत्रता भी शामिल है? इस अधिकार के उपयोग पर प्रतिबंध क्या हैं?
Discuss the freedom of speech and expression. Does it include freedom of the press also? What are the restriction on the exercise of this right?
[M.P.CJ 2016]

18. एक कानून समाचार पत्रों के विज्ञापन के अनुपात को उपलब्ध कुल योग के दस प्रतिशत पर ठीक करता है। कानून की संवैधानिक वैधता की जांच करें।
A law fixes the ratio of advertisement speech of newspapers at ten percent of the total space available. Examine the Constitutional validity of the law.
[BJS 1975]

19. बोलने की स्वतंत्रता केवल राज्य की सुरक्षा के हित में, राज्यों के मध्य मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता या न्यायालय की अवमानना या अनाचार के संबंध में प्रेस की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित किया जा सकता है " प्रेस की स्वतंत्रता के संबंध में उपयुक्त मामलों के साथ उपरोक्त कथन को स्पष्ट करें
Freedom of speech can be restricted only in the interest of the security of the state, friendly relations with states, public order, decency or morality or in relation to contempt of Court defamation or incitement to an offence" Elucidate the above statement with suitable case laws in relation to the freedom of the press. [U.P. CJ 2015]

20. जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का वर्णन करें, क्या मौत की सजा अनुच्छेद -21 का उल्लंघन है? अनुच्छेद 21 द्वारा प्रदान जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार कैसे छीना जा सकता है?
Describe the right to life and personal liberty, whether death sentence is violative of Article-21? How the right to life and personal liberty, guaranteed by Article 21, may be curtailed? [M.P. CJ 2018]

21. भारतीय संविधान के तहत जीवन और स्वतंत्रता को दिए गए संरक्षण के दायरे पर चर्चा करें। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले का हवाला दीजिए।
Discuss the scope of the protection given to life and liberty under the Indian Constitution. Refer to latest SupremeCourt decision. [BJS 1980]

22. सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा पर एक महत्वपूर्ण निबंध लिखें।
Write a critical essay on Concept of personal liberty favoured by the Supreme Court. [BJS 1986]

23. 1950 से लेकर आज तक जीवन के मौलिक अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के विकास का पता लगाएं। अभी इस पर क्या सामग्री है?
Trace the development of fundamental right to life and personal liberty from 1950 to present day. What are the contents of this right now? [BJS 1987]

24. "निजता का अधिकार अब पूरी तरह से भारत में मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्राप्त है"। स्पष्ट कीजिए।
"Right to privacy is now fully recognised as a Fundamental Right in India". Explain. [U.P. CJ 2006]

25. भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 में अभिव्यक्ति 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' के दायरे का गंभीर रूप से मूल्यांकन करें। क्या आप यह समझते हैं कि अभिव्यक्ति
Critically evaluate the scope of the expression 'Personal Liberty' in Article 21 of the Constitution of India. Do you think that the expression procedure established by Law in Article 21 introduces in India, the American 'due process clause' on the subject? Discuss. [U.P. CJ 2012]

26. मेनका गांधी बनाम भारत संघ, AIR 1978 SC 597 मामले पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी लिखिए।
Write a critical note on Maneka Gandhi v. Union of India, AIR 1978 SC 597 Cases. [U.P. CJ 2012]

www.linkinglaws.com

27. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम निर्णयों के विशेष संदर्भ के साथ नार्को-एनालिसिस टेस्ट, पॉलीग्राफ टेस्ट और ब्रेन मैपिंग टेस्ट के लिए किसी व्यक्ति की अनैच्छिक अधीनता के बारे में एक नोट लिखें।
Write a note regarding involuntary subjection of a person to narco-analysis test, polygraph test and brain mapping test with special reference to the latest judgments of Supreme Court of India. [RJS 2016]

28. संविधान में उल्लेखित अनुसार अपराध के लिए दोषसिद्धी के संबंध में संरक्षण का वर्णन कीजिए। इसकी तुलना कीजिए।
Describe the protection in respect of conviction for an offence as provided in Constitution. Compare the same with [M.P. CJ 2011, 2019]

29. दोहरा जोखिम क्या है स्पष्ट कीजिए।
What is Double jeopardy. Explain. [M.P.CJ 2013)

30. एक्स-पोस्ट फैक्टो के खिलाफ संवैधानिक गारंटी पर एक व्यापक नोट लिखें
Write a comprehensive note on constitutional guarantees against Ex-Post Facto [BJS 1977]

31. "निजता का अधिकार पूर्ण अधिकार नहीं है, लेकिन अब यह एक मौलिक अधिकार है।" न्यायमूर्ति के.एस पुट्टुस्वामी (सेवानिवृत्त) और एक अन्य मामले के संदर्भ में कथन की व्याख्या करें।
"Right to privacy is not an absolute right, but now it is a fundamental right." Explain the statement with reference to Justice K.S.Puttaswamy (Retd.) and Another case. [BJS 2018]

32. "अनुच्छेद 22 के तहत प्रदान किये गये निवारक निरोध के खिलाफ संवैधानिक संरक्षण पर एक लघु निबंध लिखें।
Write a short essay on constitutional protection against Preventive Detention as granted under Article 22. [BJS 1977]

33. "भारत के संविधान के तहत धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार पर चर्चा करें और इसकी सीमाओं को स्पष्ट करें।
Discuss right to Freedom of Religion under Constitution of India and explain the limitation of it. [M.P. CJ 2017]

34. धर्मनिरपेक्षता न तो ईश्वर विरोधी है और न ही ईश्वर समर्थक है, यह ईश्वर को राज्य के मामलों से दूर करता है और यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा,

www.linkinglaws.com
Link the Life with Law

"उपरोक्त अभिमत की रोशनी में, संविधान द्वारा प्रत्याभूत धर्म की स्वतंत्रता के सही तात्पर्य पर चर्चा करें।
"Secularism is neither anti-God nor pro God, It eliminates God from the matters of State and ensures that no one shall be discriminated on the grounds of religion," In the light of the above observation, discuss the true import of freedom of religion guaranteed under the Constitution.
[M.P. CJ 2010]

35. "धर्मनिरपेक्षता कई बार गैर-धार्मिक के रूप में गलती होती है"। धर्म की स्वतंत्रता के प्रकाश में अवधारणा की व्याख्या करें।
"Secularism is many a time mistaken as non-religious". Explain the concept in the light of freedom of religion. [U.P. CJ 2006]

36. भारत में अल्पसंख्यकों को संरक्षण की गारंटी देने वाले भारतीय संविधान के प्रावधानों की गंभीर रूप से चर्चा करें।
Discuss critically the provisions in the Indian Constitution guaranteeing protection to the minorities in India. [BJS 1978]

37. 'अल्पसंख्यक' की संवैधानिक अवधारणा क्या है। संवैधानिक रूप से गारंटीकृत अल्पसंख्यक अधिकार क्या हैं? प्रासंगिक केस-लॉ का संदर्भ लें।
What is the constitutional concept of 'Minority'.
What are the constitutionally guaranteed minority rights? Refer to relevant case-law. [BJS 1984]

38. नागरिकों की स्वतंत्रता के रक्षक के रूप में सुप्रीम कोर्ट पर एक निबंध लिखें।
Write an essay on the Supreme Court as the protector of Civil Liberties.
[BJS 1984)

39. भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत क्या उपाय लागू किए जा सकते हैं?
What remedies can be enforced under Article 32 of the Constitution of India?
[RIS 1986]

40. परमादेश रिट क्या है? किनके खिलाफ यह जारी नहीं किया जा सकता है?
What is the writ of Mandamus? Against whom it cannot be issued?
[RJS 2011]

41. "मौलिक अधिकारों की घोषणा तब तक निरर्थक है जब तक कि उनके प्रवर्तन के लिए कोई प्रभावी न्यायिक उपाय नहीं है" टिप्पणी। न्यायिक उपचार क्या हैं जो संविधान प्रदान करता है? स्पष्ट कीजिए।

"A declaration of Fundamental Rights is meaningless unless there is an effective Judicial remedy for their enforcement" Comment. What are the Judicial remedies which the Constitution provides? Explain.
[U.P. CJ 2003, U.P. CJ 2016, M.P. CJ 2018)

42. "आप मौलिक अधिकारों से क्या समझते हैं? वे अन्य कानूनी अधिकारों से कैसे भिन्न हैं?
(ए) गोलक नाथ मामले में निर्णय से पहले,
(ख) गोलक नाथ मामले में निर्णय के बाद और संविधान के 24 वें संशोधन अधिनियम के पारित होने तक, संविधान 24 संशोधन अधिनियम के पारित होने के बाद, वे अब उनसे कैसे भिन्न हैं।
(c) संविधान के 42 वें संशोधन अधिनियम के पारित होने के बाद।
What do you understand by Fundamental Rights? How did they differ from other legal rights
(a) before the decision in Golak Nath case,
(b) after the decision in Golak Nath case and upto the passing of the Constitution 24th Amendment Act, and how do they now differ from them. After the passing of the Constitution 24 Amendment Act
(c) after the passing of the Constitution 42nd Amendment Act. [BIS 1977]

Directive Principles of State Policy
राज्य के नीतिनिर्देशक सिद्धान्त

1. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों पर एक निबंध लिखें।
Write an essay on Directive Principles of State Policy. [Guj JS 2020]

2. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों और उनके संवैधानिक महत्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
Write shorts note on Directive Principles of State Policy and their constitutional importance. [BJS 1980, 1987, M.P. CJ 2015]

3. क्या राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत लागू करने योग्य हैं?
Are the Directive Principles of State Policy enforceable? [RJS 1984)

4. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के महत्व को समझाइए। क्या न्यायालय मौलिक सिद्धांतों में सम्मिलति उद्देश्य को हासिल करने की दृष्टि से मौलिक अधिकारों को प्रतिबंधित कर सकते हैं?
Explain the significance of Directive Principles of State Policy. Can Courts restrict Fundamental Rights with view to attain any objective included in the Directive Principles? [BJS 1975]

www.linkinglaws.com

5. मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के बीच संबंध पर चर्चा करें।
Discuss the relationship between the Fundamental Rights and the Directive Principles of State Policy. [BJS 2017]

6. समान नागरिक संहिता पर टिप्पणी लिखिए।
Write note on Uniform Civil Code. [BJS 2000]

Fundamental Dutiesमौलिक कर्त्तव्य

1. "मौलिक कर्तव्य मौलिक अधिकारों को नष्ट नहीं करते बल्कि उन्हें संतुलित करते हैं"। न्यायिक घोषणाओं का हवाला देते हुए उपरोक्त कथन की जाँच करें।
"Fundamental Duties do not destroy Fundamental Rights but balance them". Examine the above statement by citing Judicial pronouncements. [U.P. CJ 2006]

2. अनुच्छेद 51 ए के तहत निर्धारित मौलिक कर्तव्यों का वर्णन करें।
Describe the fundamental duties prescribed under Article 51A. [M.P. CJ 2013]

Union Executive

1. भारतीय संविधान के तहत राष्ट्रपति की स्थिति और शक्तियों पर चर्चा करें।
Discuss the position and powers of the President under the Indian Constitution. [BJS 2018]

2. 42 वें संशोधन अधिनियम के पारित होने से पहले और बाद में भारतीय राष्ट्रपति की संवैधानिक स्थिति पर एक व्यापक नोट लिखिए।
Write a comprehensive note on Constitutional position of the Indian President before and after the passing of the 42nd Amendment Act. [BJS 1977]

3. प्रधान मंत्री से जानकारी लेने के लिए राष्ट्रपति के अधिकार पर चर्चा करें। क्या प्रधान मंत्री राष्ट्रपति को वांछित जानकारी देने से इनकार कर सकते हैं?
Discuss the right of the President to seek information from the Prime Minister. Can the Prime Minister refuse to give desired information to President? [BJS 1987]

4. क्षमा प्रदान करने एवं कतिपय मामलों में दण्डादेशों को निलंबित करने, छूट देने, बदलने से संबंधित अनुच्छेद 72 एवं 161 के तहत राष्ट्रपति एवं राज्यपाल की शक्ति के विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।
Discuss the scope of power of the President and of the Governor under Articles 72 and 161 respectively relating to grant of pardons, etc. and to suspend, remit or commute sentences in certain cases. [U.P. CJ 2012]

Union Legislature

1. संसद के सदस्यों की अयोग्यता क्या है।
What are the disqualifications of members of Parliament. [BJS 1975]

2. मनी बिल क्या है? मनी बिल पास करने के तरीके पर चर्चा करें।
What is money bill? Discuss the mode of passing of money bill. [U.P. CJ 2018]

Supreme Court of India

1. क्या एक न्यायविद को सीधे सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जा सकता है?
Whether a jurist can be appointed as a judge of the Supreme Court directly?
RTS 1984

2. संक्षेप में वर्णन करें, लेकिन ठीक है, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के अपीलीय क्षेत्राधिकार।
Describe briefly, but precisely, the appellate jurisdiction of the Supreme Court of India. [BJS 1978]

3. संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत सर्वोच्च न्यायालय केसलाहकार क्षेत्राधिकार 'पर एक निबंध लिखें
Write an essay on the 'Advisory Jurisdiction of the Supreme Court under Article 143 (1) of the Constitution [BJS 1979]

4. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मूल क्षेत्राधिकार पर चर्चा करें।
Discuss the original jurisdiction of the Supreme Court of India. [BJS 2000]

5. जनहित याचिका क्या है? इसने भारत में मौलिक अधिकारों की रक्षा करने में मौलिक अधिकारों की रक्षा में सर्वोच्चन्यायालय की मदद कैसे की?
What is Public Interest Litigation? How has it helped the Supreme Court in protecting fundamental rights in Protecting fundamental rights in India?
[BJS 2000, 2006, M.P. CJ 2016]

www.linkinglaws.com

6. न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या, न्यायिक निर्णयों ने संवैधानिककानून के स्थापित सिद्धांतों को कैसे प्रभावित किया है?
How far judicial decisions, interpreting constitutional provisions, relating to appointment and transfer of Judges have affected established principles of Constitutional Law? [U.P.CJ 2006]

State Executive

1. "राज्यपाल की संवैधानिक स्थिति" पर एक संक्षिप्त नोट लिखें।
Write a short note on "Constitutional position of the Governor."[BJS 1991]

2. राज्यपाल द्वारा अध्यादेश की घोषणा कब की जा सकती है?
When can a Governor promulgate ordinances? [RJS 1986]

3. अध्यादेशों को घोषणा करने की राज्यपाल की शक्ति पर चर्चा करें।
Discuss power of the Governor to promulgate Ordinances. [M.P. CJ 2015]

State Legislature

1. राज्य विधान परिषद के सदस्य के पद का कार्यकाल की अवधि क्या है?
What is the term of office of a member of State Legislative Council? [RJS 1986]

High Courts and Subordinate Courts

1. एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को किसी अन्य उच्च न्यायालय में कौन स्थानांतरित कर सकता है?
Who can transfer a Judge of a High Court to any other High Court? [RIS 1988)

2. राज्य न्यायिक सेवा में भर्ती के लिए नियुक्ति प्राधिकारी कौन है?
Who is the appointing authority for recruitment to the State Judicial Service? [RIS 1980-81]

3. निवारण रिट की प्रकृति और विस्तार को स्पष्ट कीजिए। यह परमादेश रिट से किस तरह भिन्न है
Explain the nature and scope of Writ of Prohibition. How is it different from Writ of Mandamus? [BIS 2018]
4. राज्य सूची के तहत कानून बनाने के लिए संसद किन परिस्थितियों में सशक्त हो जाती है? यह भी बताईए कि क्या इन परिस्थितियों में राज्य विधानसभाओं की शक्ति निलंबित हो जाती है या संसद के साथ समवर्ती हो जाती है

In which circumstances does the Parliament become empowered to make a law under the State list? Also state whether in these circumstances the power of the State Legislatures get suspended or become concurrent with Parliament. [BIS 2017]

5. राज्य न्यायिक सेवा पर अनुशासनात्मक नियंत्रण कौन करता है?
Who exercises disciplinary control over the State Judicial Service? [RIS 1980-81]

6. उत्प्रेषण-रिट का क्या है?
What is Writ of Certiorari? [RIS 2014]

Relationship between Union and State

1. संभाव्य विधान पर संक्षिप्त नोट लिखें।
Write short note on Colourable legislation. [M.P. CJ 2018]

2. कुछ निर्णित मामलों की रोशनी में जनहित याचिका की प्रकृति, विस्तार और उद्देश्य पर चर्चा करें।
Discuss the nature, scope and object of Public Interest Litigation in the light of some decided cases. [BJS 2017]

3. संघ और राज्य की विधायी शक्ति बताइए? किन परिस्थितियों में संघ राज्य सूची से संबंधित मामलों पर कानून बना सकता है?
State the legislative power of Union and State? Under what circumstances Union can legislate on matters pertaining to State List? [M.P. CJ 2017]

4. उन परिस्थितियों के बारे में बताएं, जिनमें केंद्रीय संसद राज्य सूची में शामिल विषयों पर वैध रूप से कानून बना सकती है
State the circumstances in which the Union Parliament can validly legislate on subjects enumerated in the State List [BJS 1986]

5. संघ सूची और राज्य सूची में उन लोगों के बीच संघर्षों को हल करने में सार एवं तत्व के नियम के महत्व की जांच करें।
Examine the significance of the Rule of pith and substance in resolving conflicts between entries in the Union List and those in the State List. [BJS 1986]

6. क्या संसद एक कानून बना सकती है जिसमें अतिरिक्त क्षेत्रीय संचालन हो? क्या ऐसे कानून की वैधता पर सवाल उठाया जा सकता है?

Can parliament make a law which has extra territorial operation? Whether validity of such law can be questioned? [RJS 2014]

7. भारत के संविधान के तहत शर्तों को बताएं जहां संसद की राज्य सूची में दिए गए विषयों पर कानून बनाने की शक्ति है।
State the conditions under the Constitution of India where-under parliament has power to make laws on subjects given in the State List. [RJS 2014]

Amendment of the Constitution

1. भारतीय संविधान के संशोधन पर एक लघु निबंध लिखिए।
Write a short essay on Amendment of the Indian Constitution. [BJS 1977]

2. वह प्रक्रिया बताइए जिसके अनुसार भारत के संविधान में संशोधन किया जा सकता है। क्या संविधान में ऐसा संशोधन किया जा सकता है जो इसके मूल स्वरूप को नष्ट कर दे? सुप्रीम कोर्ट के संदर्भ में स्पष्ट की कीजिए।
State the procedure according to which the Constitution of India can be amended. Can the Constitution be so amended as to destroy its basis features? Explain with reference to the view of the Supreme Court. [BJS 1986]

3. "संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति सीमित है"। संविधान के (24 वें और 42 वें) संशोधन अधिनियमों और उस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के मद्देनजर इस कथन का सूक्ष्म परीक्षण करें।
"The power of Parliament to amend the Constitution is limited". Examine this statement critically in view of the Constitution (24th and 42nd) Amendment Acts and Supreme Court decisions in that regard. [BJS 2000]

4. अनुच्छेद 368 और भारत के सर्वोच्च न्यायालय पर नोट लिखें।
Write note on Article 368 and the Supreme Court of India. [BJS 2006]

5. भारतीय संविधान के संशोधन की प्रक्रिया और सीमाएँ क्या हैं? प्रासंगिक मामलों का हवाला देते हुए चर्चा करें।
What is the procedure and limitations for amendment of the Indian Constitution? Discuss while citing the relevant cases. [RJS 2011]

6. भारत के संविधान के संशोधन की प्रक्रिया का वर्णन करें। किन परिस्थितियों में संशोधन को राज्यों की विधानसभाओं द्वारा अनुमोदित करने की आवश्यकता है?

Describe the procedure of amendment of Constitution of India. Under what circumstances the amendment requires to be ratified by the legislatures of the States? [M.P. CJ 2012]

7. कैसे और किस हद तक भारत के संविधान में संशोधन किया जा सकता है? केस लॉ के रोशनी में चर्चा करें।
How and to what extent can the Constitution of India be amended? Discuss in the light of case law. [M.P. CJ 2015]

Emergency Provision

1. एक राज्य के राज्यपाल ने सदन मंत्रीमण्डल को बर्खास्त कर दिया जिसे सदन का विश्वाश हासिल था। ए ने राज्यपाल की इस कार्यवाही को इस आधार पर चुनौती दी कि उसके द्वारा की गई कार्यवाही असंवैधानिक थी। क्या 'ए' सफल होगा? उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से अपने उत्तर के लिए कारण दें।
The Governor of a State dismissed Council of Ministers enjoying confidence of the House. 'A' challenges the action of the Governor on the ground that his action is unconstitutional. Will 'A' succeed? Give reasons for your answer with the help of suitable examples. [U.P. CJ 2013]

2. आपातकाल की उद्घोषणा से क्या अभिप्राय है? अनुच्छेद 352 (1) के तहत किए गए इस तरह की उद्घोषणा के विभिन्न प्रभावों पर भी चर्चा करें।
What is meant by 'Proclamation of Emergency? Also discuss the various effects to such Proclamation made under Article 352(1). [BJS 2017]

3. बताएं कि अभिव्यक्ति "भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत एक राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता" से क्या आशय है। अभिव्यक्ति के भीतर कौन-सी परिस्थिति आएगी एवं कौन-सी नहीं आएगी? स्पष्ट कीजिए।
Explain what is meant by the expression "Failure of constitutional machinery in a State under Article 356 of the Constitution of India". Which situation will fall and which will not fall within the expression? Explain. [BJS 2000, U.P. CJ 2015]

4. "आपातकालीन शक्ति संविधान के सबसे प्रतिक्रियावादी अध्याय का एक भव्य अंतिम और मुकुट महिमा है"। टिप्पणी कीजिए।
"Emergency power is a grand final and crowning glory of the most reactionary chapter of the Constitution".Comment. [BJS 1984]

5. संविधान के अनुच्छेद 356 के प्रावधानों की सूक्ष्म रूप से जाँच करें। क्या आप इस नजरिये ये सहमत है कि किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की शक्ति संविधान का सबसे अधिक दुरुपयोग किया जाने वाला प्रावधान है? अपने उत्तर के समर्थन में उदाहरण दें।
Critically examine the provisions of Article 356 of the Constitution. Would you subscribe to the view that the power to impose President's rule in a State is the most misused provision of the Constitution? Give examples in support of your answer. [BJS 1987]

6. राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा के प्रभावों पर चर्चा करें।
Discuss the effects of the proclamation of national emergency. [BJS 2006]

7. आपातकाल की घोषणा कौन कर सकता है? आपातकाल की उद्घोषणा के प्रभाव का वर्णन कीजिए
Who can proclaim the Emergency? Describe the effect of proclamation of Emergency. [M.P. CJ 2011]

Constitutional Bodies and Posts

1. भारत के वित्त आयोग पर नोट लिखें।
Write note on the Finance Commission of India. [BIS 1978]

2. चुनाव आयोग पर नोट लिखें।
Write note on the Election Commission. [BIS 1978]

3. महाधिवक्ता पर नोट लिखें।
Write note on Advocate General. [BIS 1978]

Freedom of Trade, Commerce and Intercourse

1. व्यापार, वाणिज्य और समागम भारत के पूरे क्षेत्र में मुक्त होंगे। निर्णित मामलों के संदर्भ में चर्चा करें।
Trade, Commerce and intercourse shall be free throughout territory of India. Discuss with reference to decided cases. [BJS 1975]

2. सूक्ष्म रूप से व्यापार और वाणिज्य की स्वतंत्रता की गारंटी देने वाले और जनहित में इस अधिकार पर पाबंदियां लगाने की राज्य की शक्ति वाले प्रावधानों की जांच करें।
Examine critically the provisions guaranteeing freedom of trade and commerce and the power of the State to impose restrictions on this right in the public interest. [BJS 1979]

3. व्यापार, वाणिज्य एवं समागम की स्वतंत्रता पर एक सूक्ष्म निबंध लिखें।
Write a critical essay on Freedom of Trade Commerce and Intercourse. [BJS 1986]